**Nai Dunia, 22nd August 2021, Page-15 (Front Page-3)**

नई पहल

देश में अनोखे तरह के कोर्स में दोनों उच्च संस्थान के प्रोफेसर देंगे शिक्षा

# आइआइटी-आइआइएम शुरू करेंगे डाटा साइंस में डिग्री कोर्स

गजेंद्र विश्वकर्मा ● इंदौर।

दुनिया में तेजी से डाटा से संबंधित काम बढ़ रहे हैं। इससे डाटा साइंस की समझ रखने वालों की मांग बढ़ती जा रही है। इसकी जरूरत को समझते हुए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर और भारतीय प्रबंध संस्थान (आइआइएम) इंदौर संयुक्त रूप से एमएस डाटा साइंस कोर्स शुरू करने जा रहे हैं।

दो साल के पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स में तकनीकी विषय आइआइटी इंदौर और डाटा मैनेजमेंट से संबंधित विषय आइआइएम इंदौर के प्रोफेसर पढ़ाएंगे। यह देश में अनोखे तरह का कोर्स होगा, जिसमें दोनों उच्च संस्थान के प्रोफेसर शिक्षा देंगे।

**डाटा साइंस के कुछ शार्ट कोर्स भी शुरू किए जा रहे :** खास बात यह है कि नौकरीपेशा व्यक्ति भी इसमें प्रवेश ले सकेंगे। डिग्री के साथ ही डाटा साइंस के कुछ शार्ट कोर्स भी शुरू किए जा रहे हैं। आइआइटी इंदौर और आइआइएम इंदौर के बोर्ड में डाटा साइंस के पीजी कोर्स को हरी झंडी दे दी गई है और दिसंबर से इसमें प्रवेश शुरू हो सकते हैं।

## दो वर्ष का रहेगा कोर्स, दिसंबर से शुरू हो सकते हैं प्रवेश

## सरकारी विभागों और प्राइवेट संस्थानों को भी मिलेगा फायदा

आइआइटी इंदौर के कार्यवाहक निदेशक प्रो. नीलेश कुमार जैन का कहना है कि आपराधिक रिकार्ड, फोरेंसिक विज्ञान, सिंचाई के साधन, जलवायु परिवर्तन, वन विभाग, फायर एंड सेफ्टी, डाटा कलेक्शन जैसे कई क्षेत्र हैं, जिनमें डाटा विशेषज्ञों की सहायता से सटीक परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। कई सरकारी विभाग अपने डाटा का सही उपयोग करके कामों को आसान बना सकते हैं। इसका फायदा सरकारी विभागों को ही नहीं, प्राइवेट संस्थानों को भी मिलेगा। जिस तरह से दुनिया में डाटा एकत्रित करने का काम तेजी से किया जा रहा है, उसे देखते हुए अगले सालों में इस क्षेत्र के जानकारों की मांग और बढ़ेगी।

## राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा के माध्यम से मिलेगा प्रवेश

आइआइटी इंदौर ने डाटा साइंस का कोर्स तैयार करने की शुरुआत कर दी है। इसमें ग्रेजुएट के साथ ही नौकरीपेशा को भी प्रवेश दिया जाएगा। चयन के लिए राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा टीसीएस या अन्य परीक्षा कराने वाली एजेंसी के माध्यम से कराई जा सकती है। परीक्षा में प्राप्त आवेदनों की संख्या से तय किया जाएगा कि सीटों की संख्या कितनी रखी जाए। प्रो. जैन का कहना है कि महामारी के चलते कक्षाएं आनलाइन और आफलाइन दोनों माध्यमों से लगेंगी।